विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

''विप्ररोह''

Monthly E-Bulletin October 2023

पंजीयन क्र. 17951

मासिक अंक अक्टूबर २०२३

फ्रेशर पार्टी - B.Ed.

शिक्षा विभाग के बीएड तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा बीएड प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह ''वेलकम पार्टी'' का आयोजन किया गया जिसमें सीनियर्स विद्यार्थियों ने अपने जूनियर्स विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम एवम सरप्राइस खेल आयोजित किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी एवम अध्यक्ष के रूप में डॉ.दिव्या शर्मा को आमंत्रित किया गया। समारोह के उद्घाटन अवसर पर प्राचार्य महोदय ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवम आशीर्वाद प्रदान की तथा विभागाध्यक्ष मैडम शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को अनुशासन में रहते हुए अद्यतन रहने की बात कही। साथ ही विभाग के सभी प्राध्यापको ने भी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं एवम अच्छे शिक्षक बनने मार्गदर्शन प्रदान किए।

विप्र कॉलेज में ''मैं टैगोर बनूंगा'' नाटक का मंचन

लकी गुप्ता जम्मू शहर का एक भ्रमणशील एकल अभिनेता हैं । और पिछले पच्चीस वर्षों से जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और भारत के अन्य हिस्सों में विभिन्न थिएटर समूहों, कंपनियों के साथ एक अभिनेता, निर्देशक के रूप में थिएटर का अभ्यास कर रहा है।

लकी गुप्ता ने वर्ष 2010 में एकल अभिनेता के रूप में प्रदर्शन शुरू किया और पांच एकल निर्माण किये। इनका एक एकल प्रदर्शन ष्मां मुझे टैगोर बना देष् है और यह पिछले तेरह वर्षों से सबसे लंबा चलने वाला प्रोडक्शन है। वर्ष 2023 में पूरे देश में इसके बारह सौ शो पूरे कर लिये हैं।

यह नाटक स्वर्गीय मोहन भंडारी की पंजाबी कहानी से प्रेरित है, नाटक का लेखन और निर्देशन लकी गुप्ता द्वारा किया गया है।

यह नाटक एक छोटे से गांव के लड़के के जीवन पर आधारित है। एक लड़का एक बार अपने सरकारी स्कूल में एक छोटी सी कविता लिखता है और उसे अपने शिक्षक को दिखाता है और उसके शिक्षक उसके लिखी हुई कविता को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं और उससे कहते हैं, तुम्हारी कविता टैगोर की कविता जैसा है, एक दिन तुम टैगोर जैसे कवि बनोगे। लड़का टीचर की इस उत्साहवर्दक बात से बहुत प्रेरित हुए लेकिन एक मजदूर वर्ग का बेटा अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर सका और 12वीं की परीक्षा के दौरान एक दुर्घटना में उसके पिता की मृत्यु हो गई और लड़के को अपना परिवार चलाने के लिए स्कूल छोड़ना पड़ा।

लड़के ने ईंट–भट्ठे में काम करने के दौरान ही कविता लिखना शुरू कर दिया और लगातार कविताएं लिखता गया, लड़का सोचता की उसके टीचर तो उससे भी अच्छा लिखते हैं, उनके पास बहुत ज्ञन है, वो अगर खुद टैगोर जैसा प्रसिद्ध होना चाहते या अपना नाम बनाना चाहते तो बहुत आसानी से कर सकते थे, हालाकि उनको बहुत बड़े कॉलेज ओर युनिवर्सिटी में नोकरी करने का ऑफर भी मिला पर वो यह गांव का स्कूल ओर गांव के बच्चों को छोड़ कर कभी नहीं गए, यही अपना सारा जीवन दे दिया और दूसरो के लिए जिए अंत में लड़का सोचता है कि अगर मैं एक ईमानदार शिक्षक बन जाऊँ तो मैं दूसरों को टैगोर, गाँधी, विवेकानन्द, कलाम बनने में मदद करूँगा और यही शिक्षा और मानव जीवन का वास्तविक अर्थ है ।

पिछले तेरह वर्षों से इस नाटक के साथ लकी गुप्ता ने एक अविश्वसनीय यात्रा की है! भारत के 25 राज्यों के 800 शहरों और कस्बों में पांच लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा की और विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कई अन्य स्थानों के साठ लाख से अधिक छात्रों को इस नाटक से प्रेरित किया।

25 राज्यों की लगभग हर यूनिवर्सिटी में परफॉर्म किया है।

एनएसडी (नई दिल्ली) छात्र संघ ने 2017 में, मध्य प्रदेश स्कूल ऑफ ड्रामा ने वर्ष 2013, 2015 और 2017 में इस शो के लिए लकी गुप्ता को आमंत्रित किया। इस नाटक ने भारत में सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव में भी भाग लिया।

इस प्रदर्शन के लिए केवल दर्शकों की आवश्कता है, इसे खुले या इनडोर कहीं भी प्रस्तुत किया जा सकता है। लकी गुप्ता ने इसे चलती ट्रेनों, बसों में, रेलवे प्लेटफार्मों पर, बस स्टॉप पर, छतों पर, रेस्तरां में कई शो में, लिविंग रूम में प्रदर्शित किया है।

''माँ मुझे टैगोर बना दे'' का अभिनय अंतरंग शैली में है और दर्शकों की भागीदारी पर आधारित है। इसमें कई किरदार दर्शकों द्वारा निभाए जाते हैं।

प्रसिद्ध थिएटर व्यक्तित्व श्री. प्रसन्ना हेग्गोडु सर ने ''माँ मुझे टैगोर बना दे'' को कन्नड़ में ''कुप्पल्ली पटटा'' नाम से रूपांतरित किया और लकी गुप्ता ने उनके थिएटर ग्रुप ''नोवोदय थिएटर रिपर्टरी (मैसूर)'' के तीन अभिनेताओं के साथ उस नाटक का निर्देशन किया।

यह छात्रों, युवाओं, वरिष्ठ दर्शकों के लिए एक अनोखा अनुभव रहा। और यह नाटक दर्शक के हिसाब से अपना रूप बदलता है, जैसे दर्शक वैसा अनुभव , खास कर स्टूडेंट के लिए एक लाइफ चेंजिंग परफॉर्मेंस है।

सद्गुणों का संग्रहण और विकारों का परित्याग से हम बन सकते हैं राम - डॉ. आदित्य शुक्ल

विप्र कॉलेज में ''क्या हम राम बन सकते हैं?'' विषय पर डॉ. आदित्य शुक्ल का व्याख्यान

रायपुर .21 अक्टूबर. विजयादशमी के पावन पर्व पर विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति एवं विप्र महाविद्यालय रायपुर द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता डॉ. आदित्य शुक्ल (वैज्ञानिक, कवि, लेखक एवं प्रेरक वक्त बेंगलुरु) ने ''क्या हम राम बन सकते हैं ?'' विषय पर रोचक एवं प्रेरक उद्बोधन में बताया कि सद्गुणों का संग्रहण और विकारों का परित्याग कर हम भी राम बन सकते हैं राम को पहले गुरु के रूप में स्वीकार करें और उनके गुना को अपने आचरण में उतार कर अपने दिव्यता को प्रकट करें तब उनके भगवान स्वरूप का हमें अनुभव होगा। ग्रंथ और पुराण को पढ़ने या सुनने से मुक्ति नहीं मिलती युक्ति मिलती है और युक्ति का उपयोग अपने जीवन में करने से मुक्ति मिलती है। राम के स्वरूप का स्मरण और राम के चरित्र का चिंतन से आत्मा के सहज गुणों पवित्रता, प्रसन्नता, शांति, प्रेम, ज्ञान, सरलता और शक्ति आदि को हम आत्मसात करते हैं और मन के विकार काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार आदि दूर होते हैं। राम बनने के लिए राम जैसे बनने की इच्छा रखता पहला कदम है। फिर जितना हम अपने अंदर के सद्गुणों का संग्रहण एवं विकास करते जाएंगे राम के करीब पहुंचने जाएंगे। लक्ष्य और साधन के बीच का सामंजस्य ही सफलता है और राम के जीवन से हम यह अच्छी तरह सीख सकते हैं।

डॉ. आदित्य शुक्ल ने शिक्षा नीति की समस्या को बताते हुए कहा कि इतिहास सिर्फ घटनाक्रम का वर्णन करता है, जो विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल है ।जबकि धर्म ग्रंथो में पौराणिक पात्रों को नायक, मार्गदर्शन एवं गुरु कहा जाता है जो जीवन मूल्य का महत्व बताता है ।नैतिक गुना का विकास के उपाय बताते हैं, परंतु हमारे पुराण या धर्म ग्रंथो को हमने सीनियर सिटीजन के लिए छोड़ कर रख दिया है। जिस दिन से स्कूल और विश्वविद्यालय में धर्म ग्रंथो के नायकों के चरित्र एवं उनके द्वारा स्थापित आदर्श का अध्ययन –अध्यापन और चिंतन प्रारंभ हो जाएगा, युवा वर्ग में चरित्र के अभाव की समस्या खत्म हो जाएगी।

इसके बाद छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने व्याख्यान की प्रासंगिकता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि समस्त युवा और विद्यार्थियों को राम के स्वरूप के चिंतन का यह वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण सुनना चाहिए। इससे उनके जीवन में राम के गुणों का विकास होगा और जब भारत के युवा वर्ग का दिव्यता प्रकट होगा तो यह विप्र महाविद्यालय की सफलता होगी। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राम के चरित्र का चिंतन किसी न किसी रूप में हर भारतीय के जीवन में शामिल है। क्या हम राम बन सकते हैं? इस विषय पर चर्चा यह समझना है कि राम का आदर्श हमारे व्यवहारिक जीवन की सफलता का आधार है। इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के संचालक अविनाश शुक्ला, प्रकाश तिवारी, राकेश शर्मा डॉ. रामस्वरूप शुक्ला, उषा शुक्ला, नवल किशोर शर्मा , अरुणा शर्मा, दिनेश शर्मा एवं अमित शुक्ला, मित्र कॉलेज के समस्त विद्यार्थी, प्राध्यापक सहित अन्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में व्याख्यान का लाभ लिया।

कॉलेज काउंसिल

दिनांक 31 अक्टूबर को प्राचार्य महोदय की उपस्थिति में कॉलेज काउंसिल की सदस्यों द्वारा बैठक आयोजित की गई जिसमें भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती एवम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता एवम अखंडता दिवस के रूप में मनाया गया एवम शपथ लिया गया।

Guest Lecture Organized by the Department of Education

On Nai Talim Resource Person -Dr. Sanjivani Thakur Head, Durga College, Raipur Department of Education.

SLOGAN COMPETITION ON "VOTERS AWARENESS".....

Organized by Department of Commerce and Management.....

विप्र ट्रॉफी इंटर कॉलेज महिला फुटबॉल प्रतियोगिता गवर्नमेंट डिग्री गर्ल्स कॉलेज विजेता

रायपुर. 11 अक्टूबर .पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित ''विप्र ट्रॉफी'' अंतर महाविद्यालय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में गवर्नमेंट डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर विजेता रही।

उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय आरंग, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज रायपुर एवं विप्र महाविद्यालय की टीम ने हिस्सा लिया। प्रथम मैच में डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने गवर्नमेंट कॉलेज आरंग को 1–0 से पराजित किया । इसके बाद डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने विप्र कॉलेज को तीन एक से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इसके बाद समापन समारोह वरिष्ठ पीटीआई पी.टी. बघेल , संस्कृत कॉलेज के कीड़ा अधिकारी प्रमोद मेने ,असीम कादरी, डिग्री गर्ल्स कॉलेज के कीड़ाअधिकारी डॉ. कर्मिष्ठ संभरकर, वरिष्ठ कीड़ा अधिकारी सेवाराम साहू,साइंस कॉलेज के कीड़ाअधिकारी रामानंद यदु, छत्तीसगढ़ कॉलेज के कीड़ाअधिकारी रूपेंद्र चौहान की गरिमामय उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीम को विप्र ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी डिग्री गर्ल्स कॉलेज के नीलिमा घाघा को घोषित किया गया ।प्रतियोगिता के बाद विश्वविद्यालय टीम के चयन के लिए ट्रायल में लगभग 25 महाविद्यालय के महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । आयोजन सचिव डॉ. कैलाश शर्मा के नेतृत्व में व राजेश तिवारी एवं ज्ञानेंद्र भाई के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

इंटर कॉलेज फुटबॉल स्पर्धा में विप्र कॉलेज विजेता

14 अक्टूबर. उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय इंटर कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया ।पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के मैदान में संपन्न प्रतियोगिता के फाइनल मैच में विप्र कॉलेज ने नेताजी सुभाष कॉलेज को एक तरफा मुकाबले में 3–0 से पराजित कर विजेता बनी। यह जानकारी देते हुए अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. युलेन्द्र राजपूत ने बताया कि विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने खिलाड़ी ने उसे परिचय प्राप्त कर दूसरे दिवस का प्रतियोगिता प्रारंभ किया। पहला सेमीफाइनल विप्र महाविद्यालय रायपुर एवं शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के मध्य हुआ। संघर्षपूर्ण मैच का निर्णय ट्राईब्रेकर से हुआ। जिसमें विप्र कॉलेज 4–1 से विजेता रहा। दूसरा सेमीफाइनल रावतपुरा सरकार कॉलेज और नेताजी सुभाष कॉलेज के बीच खेला गया। जिसमें नेताजी सुभाष कॉलेज 3–2 से में जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

यादों का आईना

महाविद्यालय की गतिविधियाँ बनी दैनिक अखबारों की सुर्खियाँ

इंटर कॉलेज महिला फुटबॉल में डिग्री गर्ल्स कॉलेज बनी विजेता, विप्र कॉलेज उपविजेता

रायपुर। .पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित विप्र ट्रॉफी अंतर महाविद्यालय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में गवर्नमेंट डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर विजेता रही जबकि विप्र कॉलेज उपविजेता बनी।

प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय आरंग, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज रायपुर एवं विप्र महाविद्यालय की टीम ने हिस्सा लिया। प्रथम मैच में डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने गवर्नमेंट कॉलेज आरंग को 1–0 से पराजित किया । इसके बाद डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने विप्र कॉलेज को तीन एक से पराजित विप्र ट्रॉफी जीत लिया। समापन समारोह वरिष्ठ पीटीआई सी.एस. बघेल , संस्कृत कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी प्रमोद मेने ,असीम कादरी, डिग्री गर्ल्स कॉलेज के क्रीड़ाअधिकारी डॉ. कर्मिष्ठ संभरकर, सेवाराम साहू,साइंस कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी रामानंद यदु, छत्तीसगढ़ कॉलेज के रूपेंद्र चौहान की गरिमामय उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीम को विप्र ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी डिग्री गर्ल्स कॉलेज के नीलिमा घाघा को घोषित किया गया।प्रतियोगिता के बाद विश्वविद्यालय टीम के चयन के लिए ट्रायल में लगभग 25 महाविद्यालय के महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । डॉ कैलाश शर्मा ने राजेश तिवारी व ज्ञानेंद्र के सहयोग से प्रतियोगिता का संचालन किया।

डिग्री गर्ल्स कॉलेज ने जीती विप्र ट्रॉफी, विप्र कॉलेज उपविजेता

रायपुर, 12 अक्टूबर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित फ्विप्र ट्रॉफीफ् अंतर महाविद्यालय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में गवर्नमेंट डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर विजेता रही।जबकि विप्र कॉलेज उपविजेता बनी। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय आरंग, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज रायपुर एवं विप्र महाविद्यालय की टीम ने हिस्सा लिया। प्रथम मैच में डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने गवर्नमेंट कॉलेज आरंग को 1–0 से पराजित किया । इसके बाद डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर ने विप्र कॉलेज को तीन एक से पराजित विप्र ट्रॉफी जीत लिया। समापन समारोह वरिष्ठ पीटीआई सी.एस. बघेल , संस्कृत कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी प्रमोद मेने ,असीम कादरी, डिग्री गर्ल्स कॉलेज के क्रीड़ाअधिकारी डॉ. कर्मिष्ठ संभरकर, सेवाराम साहू,साइंस कॉलेज के क्रीड़ा अधिकारी रामानंद यदु, छत्तीसगढ़ कॉलेज के रूपेंद्र चौहान की गरिमामय उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीम को विप्र ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी डिग्री गर्ल्स कॉलेज के नीलिमा घाघा को घोषित किया गया।प्रतियोगिता के बाद विश्वविद्यालय टीम के चयन के लिए ट्रायल में लगभग 25 महाविद्यालय के महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । डॉ कैलाश शर्मा ने राजेश तिवारी व ज्ञानेंद्र के सहयोग से प्रतियोगिता का संचालन किया।

इंटर कॉलेज फुटबॉल स्पर्धा में विप्र कॉलेज चैंपियन

रायपुर 14 अक्टूबर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय इंटर कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज चैंपियन बनी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के खेल मैदान में सम्पन्न प्रतियोगिता के फाइनल मैच में विप्र महाविद्यालय ने नेताजी सुभाष कॉलेज को एकतरफा खेले गए मैच में 3–0 से पराजित कर विजेता बनी। यह जानकारी देते हुए अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ यूलेन्द्र राजपूत ने बताया कि विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर दूसरे दिवस के प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पहला सेमीफाइनल विप्र महाविद्यालय रायपुर एवं जे योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के मध्य हुआ।संघर्ष पूर्ण मैच का निर्णय टाईब्रेकर से हुआ। जिसमें विप्र महाविद्यालय 4–1 से विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल रावतपुरा सरकार कॉलेज एवं नेताजी सुभाष कॉलेज के बीच खेला गया। जिसमें नेताजी सुभाष कॉलेज 3–2 से विजयी रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विप्र कॉलेज एवं ने नेताजी सुभाष कॉलेज के मध्य खेला गया।

फुटबॉल प्रतियोगिता विप्र महाविद्यालय विजेता

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर स्तरीय (पुरुष वर्ग) फुटबॉल प्रतियोगिता पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के खेल मैदान में हुई। फाइनल मैच में विप्र महाविद्यालय रायपुर की टीम विजेता रही । पहला सेमीफाइनल विप्र महाविद्यालय एवं जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के मध्य हुआ, जिसमें विप्र महाविद्यालय विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल रावतपुरा सरकार कॉलेज एवं नेताजी सुभाष कॉलेज अभनपुर के बीच हुआ, जिसमें नेताजी सुभाष महाविद्यालय विजयी रहा। उसके बाद हुए फाइनल मैच में विप्र महाविद्यालय ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस महाविद्यालय अभनपुर को 3-0 से पराजित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालय के खेल अधिकारी की उपस्थिति रही।

इंटर कालेज फुटबाल में विप्र कालेज बनी चैम्पियन

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय इंटर कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता में विप्र कॉलेज चैंपियन बनी।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के खेल मैदान में सम्पन्न प्रतियोगिता के फाइनल मैच में विप्र महाविद्यालय ने नेताजी सुभाष कॉलेज को एकतरफा खेले गए मैच में 3–0 से पराजित कर विजेता बनी।

अग्रसेन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ यूलेन्द्र राजपूत ने बताया कि विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर दूसरे दिवस के प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पहला सेमीफाइनल विप्र महाविद्यालय रायपुर एवं जे योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के मध्य हुआ।संघर्ष पूर्ण मैच का निर्णय टाईब्रेकर से हुआ। जिसमें विप्र महाविद्यालय 4–1 से विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल रावतपुरा सरकार कॉलेज एवं नेताजी सुभाष कॉलेज के बीच खेला गया। जिसमें नेताजी सुभाष कॉलेज 3–2 से विजयी रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विप्र कॉलेज एवं ने नेताजी सुभाष कॉलेज के मध्य खेला गया। मैच के 42 वें मिनट में विप्र कॉलेज के उजित सिंह ने पहला गोल कर बढ़त बनाई।उसके तीन मिनट बाद अतुल टोप्पो ने दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित कर लिया।मैच के 52 वें मिनट में हेमंत ठाकुर के तीसरे गोल से विप्र कॉलेज 3–0 से विजेता बनी।विप्र कॉलेज के उजित सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

प्राचार्य डॉ यूलेन्द्र राजपूत ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह प्रो.राजीव चौधरी रविवि के मुख्य आतिथ्य, डॉ विपिन चंद्र शर्मा,संचालक शारिरिक शिक्षा की अध्यक्षता,एवं विजेता महाविद्यालय विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी, अग्रसेन महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. व्ही. के. अग्रवाल , समिति के सचिव डा अमित कुमार अग्रवाल की विशिष्ट उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।अतिथियों के स्वागत व संबोधन उपरांत विजेता, उप विजेता खिलाड़ीयों को मेडल प्रमाण पत्र व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।सहित बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी व महाविद्यालय के प्राध्यापक गण उपस्थित थे।अंत में प्राचार्य ने आभार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का सफल संचालन तुलाराम, व विकास शर्मा ने किया।

इंटरकॉलेज वालीबॉल में विप्र कॉलेज चैम्पियन

रायपुर। अटारी स्थित शासकीय आदर्श आत्मानंद साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित रायपुर सेक्टर इंटर कॉलेज वालीबॉल के पुरुष वर्ग में विप्र कॉलेज की टीम चैम्पियन रही। स्पर्धा के फाइनल में विप्र की टीम ने नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा अभनपुर को 25-16, 25-17 से पराजित कर दिया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में नेताजी कॉलेज ने पूर्व विजेता छत्तीसगढ़ कॉलेज को 25-23, 25-17 से एवं विप्र कॉलेज ने दुर्गा कॉलेज को 25-15, 25-12 से हराया। आयोजन सचिव एवं क्रीड़ाधिकारी प्रकाश चंद्रवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि विजेताओं को रिटायर्ड वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी भगवान सिंह चंदेल एवं कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. रश्मि शर्मा ने पुरस्कृत किया।

इंटर कॉलेज महिला फुटबॉल स्पर्धा

विप्र कॉलेज को हराकर गर्ल्स कॉलेज ने जीती विजेता ट्रॉफी

रायपुर @ पत्रिका. इंटर कॉलेज महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में शा. महिला महाविद्यालय विजेता विप्र ट्रॉफी जीतने में सफल रही। विप्र कॉलेज की मेजबानी में आयोजित की गई इस स्पर्धा में खेले गए पहले मैच में महिला महाविद्यालय ने शा. कॉलेज आरंग को 1-0 से पराजित किया। इसके बाद शा. महिला महाविद्यालय ने विप्र कॉलेज को 3-1 से शिकस्त देकर विप्र ट्रॉफी जीत ली। स्पर्धा की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी डिग्री गर्ल्स कॉलेज की नीलिमा घाघा चुनी गई। समापन समारोह वरिष्ठ पीटीआई सीएस बघेल, क्रीड़ाधिकारी प्रमोद मेने, असीम कादरी, डॉ. कर्मिष्ठ संभरकर ने विजेता व उपविजेता टीमों को विप्र ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

‘B’ GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDIATION COUNCIL (NAAC) (19TH JUL 2023 TO 18TH JUL 2028)

Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to Pt. Ravishankar Shukla, Raipur (C.G.)

✿ COMMERCE ✿ MANAGEMENT ✿ SCIENCE ✿ COMPUTER ✿ EDUCATION ✿ PHYSICAL EDUCATION ✿ YOGA

E-mail : vipracollge1996@gmail.com, Visit us : www.vipracollege.org

संपादक मण्डल :- डॉ. विवेक कुमार शर्मा, श्रीमती प्रणिता शर्मा, डॉ. कंचन मिश्रा, श्रीमती अपूर्वा शर्मा

विशेष सहयोग : एलुमनी एसोसिएशन, विप्र महाविद्यालय रायपुर